INDIAN SCHOOL MUSCAT
DEPARTMENT OF HINDI

STD IX **WORK- SHEET** **DATE : ------ JUNE, 2017**

नाम ---------- वर्ग ----------

संधि

जैसा कि आप जानते हैं कि 'विद्यालय' शब्द विद्या और आलय शब्दों के मेल से बना है । इस तरह के मेल को 'संधि ' कहते हैं। दूसरे शब्दों में - वर्णों के मेल को संधि कहते हैं। जैसे -

विद्या + अर्थी = विद्यार्थी , नम : + ते = नमस्ते।

संधि के नियमो के अनुसार मिले हुए वर्णों को पुन: पूर्व अवस्था में ले जाने को संधि-विच्छेद कहते हैं।

जैसे - सदैव = सदा + एव, सज्जन = सत + जन।

संधि के भेद

1 स्वर संधि - दो स्वरों के मेल से उत्पन्न विकार अथवा रूप परिवर्तन को स्वर संधि कहते हैं। जैसे -
महा + उत्सव = महोत्सव

2 व्यंजन संधि - व्यंजन से परे व्यंजन या स्वर आने पर जो संधि होती है उसे व्यंजन संधि कहते हैं।
जैसे - उत् + लास = उल्लास

3 विसर्ग संधि - विसर्ग से परे व्यंजन या स्वर आने पर जो संधि होती है उसे विसर्ग संधि कहते हैं।
दो स्वरों के मेल से उत्पन्न विकार अथवा रूप परिवर्तन को स्वर संधि कहते हैं।
जैसे - मन: + रंजन = मनोरंजन

1 स्वर संधि

(क) दीर्घ संधि - जब अ, आ, इ, ई, उ तथा ऊ के बाद वे ही ह्रस्व या दीर्घ स्वर आए तो इन दोनों के मेल से दीर्घ स्वर बन जाता है। जैसे -

अ/आ+अ/आ = आ
सूर्य + अस्त = सूर्यास्त
यथा + अर्थ = यथार्थ

इ/ई + इ/ई = ई
रवि + इन्द्र = रवीन्द्र
गिरि + ईश = गिरीश

उ/ऊ + उ/ऊ = ऊ
सु +उक्ति = सूक्ति
लघु +ऊर्मि = लघूर्मि

(ख) गुण संधि - यदि अ/आ के बाद इ/ई आए तो 'ए', अ/आ के बाद उ/ऊ आए तो 'ओ' तथा अ/आ के बाद ऋ आए तो 'अर्' हो जाता है। जैसे -

अ/आ + इ/ई = ए
गज + इन्द्र = गजेन्द्र
गण + ईश = गणेश

अ/आ + उ/ऊ = ओ
अल्प + उक्ति = अल्पोक्ति
गंगा + ऊर्मि = गंगोर्मि

अ/आ + ऋ = अर्
देव + ऋषि = देवर्षि
महा + ऋषि = महर्षि

(ग) वृद्धि संधि - यदि अ/आ के बाद ए/ऐ आए तो 'ऐ' और अ/आ के बाद ओ/औ आए तो 'औ' हो जाता है। जैसे -

अ/आ + ए/ऐ = ऐ
एक + एक = एकैक
सदा + एव = सदैव

अ/आ + ओ/औ = औ
दंत + ओष्ठ = दंतौष्ठ
महा + औषध = महौषध

(घ) यण संधि - यदि इ/ई के बाद कोई अन्य स्वर आए तो इ/ई के स्थान पर 'य्', उ/ऊ के बाद कोई अन्य स्वर आए तो उ/ऊ के स्थान पर 'व्' तथा ऋ के बाद कोई अन्य स्वर आए तो ऋ का 'र्' हो जाता है। जैसे -

इ/ई + कोई अन्य स्वर = य्
इति + आदि = इत्यादि
अति + आचार = अत्याचार

उ/ऊ + कोई अन्य स्वर = व्
सु + अल्प = स्वल्प
अनु + इत = अन्वित

ऋ + अन्य स्वर = र्
पितृ + आज्ञा = पित्राज्ञा
मातृ +आज्ञा = मात्राज्ञा

(ङ) अयादि संधि - यदि ए/ऐ तथा ओ/औ के बाद कोई अन्य स्वर आए तो 'ए' के स्थान पर अय्, ऐ स्थान पर 'आय्', ओ के स्थान पर 'अव्' तथा औ के स्थान पर 'आव्' हो जाता है। जैसे -

ए + कोई अन्य स्वर = अय्

ने + अन = नयन

शे + अन = शयन

ऐ + कोई अन्य स्वर = आय्

नै + अक = नायक

गै + इका = गायिका

ओ + कोई अन्य स्वर = अव्

पो + अन = पवन

भो + अन = भवन

औ + कोई अन्य स्वर = आव्

पौ + अन = पावन

नौ + इक = नाविक

अभ्यास

प्रश्न 1 संधि कीजिए -

सत्य + आग्रह = ----------

निः + संकोच = ----------

परम + अणु = ----------

पुरः + कार = ----------

राजा + ऋषि = ----------

स्व + अर्थ = ----------

पर्वत + आरोही = ----------

गै + अक = ----------

वि + अर्थ = ----------

जगत् + ईश = ----------

अधर + ओष्ठ = ----------

दिन + ईश = ----------

अनु + एषक = ----------

परि + ईक्षा = ----------

निः + बल = ----------

भाग्य + उदय = ----------

निः + जन = ----------

मनः + रथ = ----------

प्रश्न 2 संधि-विच्छेद कीजिए -

हिमालय ---------- + ----------

स्वच्छ ---------- + ----------

संस्कार ---------- + ----------

सर्वोच्च ---------- + ----------

महोदय ---------- + ----------

स्वार्थ ---------- + ----------

पुनर्जीवन ---------- + ----------

राकेश ---------- + ----------

परोपकार ---------- + ----------

उद्योग ---------- + ----------

मुनीश ---------- + ----------

अत्यधिक ---------- + ----------

उन्नत ---------- + ----------

सप्तर्षि ---------- + ----------

प्रत्येक ---------- + ----------

जलाशय ---------- + ----------

अल्पोक्ति ---------- + ----------

व्यवधान ---------- + ----------

निर्वाह ---------- + ----------

निस्संकोच ---------- + ----------

निर्मूल ---------- + ----------

भूल-सुधार